गंगा जल का अधिकतम उपयोग

4264. **श्री ईश दत्त यादव:**
श्री नागमणि:

क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गंगा नदी में जल की अनुमानित मात्रा कितनी है;

(ख) सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक उद्देश्यों के लिये पृथक-पृथक कितनी-कितनी मात्रा में जल का उपयोग किया जाता है;

(ग) अपयुक्त जल की मात्रा कितनी है जो समुद्र में गिरता है; और

(घ) गंगा जल के अधिकतम उपयोग के लिये क्या-क्या कदम उठाये गये हैं या उठाये जाने का विचार है?

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) से (ग) भारत में गंगा नदी में अनुमानित वार्षिक प्रवाह 501643 मिलियन क्यूबिक मीटर है। इसमें से, 2,50,000 मिलियन क्यूबिक मीटर मात्रा उपयोग के लिए उपलब्ध होने का अनुमान है। विभिन्न उद्देश्यों के लिए वर्तमान में उपयोग की जा रही जल की मात्रा उपलब्ध नहीं है। तथापि, विभिन्न उद्देश्यों के लिए वर्ष 2000 के लिए प्रेक्षेपित उपयोग निम्नलिखित होगा:—

(i) सिंचाई	—	150764 मि॰ क्यू॰ मी॰
(ii) पेयजल	—	7900 मि॰ क्यू॰ मी॰
(iii) उद्योग (तापीय एवं परमाणु विद्युत केन्द्रों सहित)	—	5870 मि॰ क्यू॰ मी॰
कुल:		164534 मि॰ क्यू॰ मी॰

बंगलादेश को उपयोज्य जल प्रवाह।

(घ) संबंधित राज्य सरकारें गंगा के जल का इष्टतम उपयोग करने के लिए प्रयास कर रही हैं।

गुजरात में भूमिगत जल में रासायनिक तत्व

4265. **श्री गोपाल सिंह जी॰ सोलंकी:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गुजरात में सात जिलों में भूमिगत जल में पाये जाने वाले रासायनिक तत्वों की मात्रा सुरक्षित जल की अनुज्ञेय सीमा से चार गुणा से भी अधिक है और इस समस्या से 2,00,000 लोग प्रभावित हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त प्रभावित क्षेत्रों के लोगों की पेयजल समस्या के हल के लिये सरकार क्या-क्या कदम उठाने का विचार रखती है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

जल संसाधन मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र): (क) और (ख) गुजरात सरकार से प्राप्त सूचना के आधार पर राज्य के 17 जिलों के 191 गांवों में पेय जल की अनुज्ञेय सीमा से 4 गुणा अधिक रासायनिक तत्व पाए गए हैं तथा इससे लगभग 2.40 लाख जनसंख्या प्रभावित है।

(ग) और (घ) 191 गांवों में से लगभग 75 गांव में लोगों की पेय जल समस्या का हल करने के लिए राज्य सरकार द्वारा पहले से ही विभिन्न कार्यक्रमों को कार्यान्वित किया जा रहा है तथा राज्य सरकार द्वारा शेष 116 गांवों को या तो डीफलुओरिडेशन संयंत्रों की स्थापना करके अथवा पेय स्रोतों पर आधारित व्यक्तिगत जल आपूर्ति तथा सामूहिक जल आपूर्ति योजनाओं के अंतर्गत शामिल करने का प्रस्ताव है।

Water-logging problem in Orissa

4266. SHRIMATI JAYANTI PATNAIK: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the problem of water-logging in the State of Orissa;

(b) if so, the steps taken in 8th plan to resolve the problem of water-logging in that State;

(c) whether any fund has been earmarked for the purpose for Ninth Plan; and